# अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

# राष्ट्रीय साधारण सभा

## 8 अक्टूबर, 2015

डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति परिसर, रेशिम बाग, नागपुर (महाराष्ट्र)

# महामंत्री प्रतिवेदन

2 नवम्बर 2014, को बेलगाम (कर्नाटक) में महासंघ की राष्ट्रीय साधारण सभा की बैठक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता एवं माननीय अनिरूद्ध जी देशपाण्डे एवं संरक्षक प्रो. के. नरहरि के सानिध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में महामंत्री के प्रतिवेदन का सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। कोषाध्यक्ष द्वारा गत वर्ष के अंकेक्षित आय-व्यय का हिसाब सदन के समक्ष रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। साधारण सभा में सदस्यता अभियान निश्चित अवधि में पूरा करने एवं महिला सहभाग अभिवृद्धि वर्ष 2014-15 की समीक्षा की गई एवं इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर सहमति बनी। महासंघ के संविधान में प्रत्येक राज्य स्तरीय संगठन से एक महिला प्रतिनिधि को कार्यकारिणी में सम्मिलित करने, सम्बद्धता शुल्क 1000 रुपये करने एवं प्रत्येक विश्वविद्यालय संगठन से वार्षिक सदस्यता शुल्क कम से कम 1000 रुपये करने का संशोधन स्वीकार किया गया। साधारण सभा में दो प्रस्ताव पारित किये गये जिन्हें आवश्यक कार्यवाही के लिए सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों/ शिक्षा मंत्रियों एवं भारत सरकार के प्रधानमंत्री एवं मानव संसाधन विकास मंत्री को प्रेषित किया गया। ये दो प्रस्ताव थे- (1) समग्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति बने, (2) बाल अधिकार एवं संरक्षण हेतु सरकार, समाज एवं शिक्षकों द्वारा समन्वित प्रयास किये जायें।

**केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक**

26 एवं 27 दिसम्बर 2014 को सूरत (गुजरात) में केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न हुई। इसमें प्राथमिक संवर्ग, माध्यमिक संवर्ग एवं उच्च शिक्षा संवर्ग द्वारा शिक्षा का 'डाक्यूमैन्ट विजन' तैयार करने के, महिला सहभाग वृद्धि वर्ष में संगठनों द्वारा सम्पन्न किये जाने वाले कार्यक्रमों, शिक्षक सम्मान के लिए 'शिक्षक सम्मान निधि' स्थायी कोष का निर्माण करने, शाश्वत जीवन मूल्य जन जागरण अभियान को अधिक व्यापक बनाने, समर्थ भारत आयाम के अन्तर्गत कार्यक्रम सम्पन्न करने की योजना बनाने पर विचार किया गया। इसके अलावा महासंघ की आगामी वार्षिक योजना पर भी विचार किया गया। नागपुर में अक्टूबर 2015 में सम्पन्न होने वाले छठवें राष्ट्रीय अधिवेशन की सम्पूर्ण योजना पर विचार विमर्श किया गया। इसमें अधिवेशन को शाश्वत जीवन मूल्य विषय की विशेष पृष्ठभूमि (थीम) पर आधारित करने, इस अवसर पर सम्बद्ध संगठनों के कार्यक्रमों की प्रदर्शनी आयोजित करने तथा महासंघ का एक वृत्तचित्र (डाक्यूमैन्ट्री) प्रदर्शित करने पर भी चर्चा की गई।

इसके अलावा सम्बद्ध संगठनों द्वारा केन्द्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति, प्रवास योजना पर भी चर्चा हुई। बैठक में माननीय भैयाजी जोशी (सरकार्यवाह, रा.स्व.संघ) एवं प्रो. अनिरूद्ध जी देशपाण्डे (अ.भा. सह सम्पर्क प्रमुख, रा.स्व.संघ) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

**राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक**

1. दिनांक 1 एवं 2 नवम्बर 2014 को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बेलगाम (कर्नाटक) में महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में देश भर में सम्पन्न गुरु वन्दन कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त कर उसकी समीक्षा की गई। अनेक राज्यों में यह कार्यक्रम बड़े स्तर पर सम्पन्न हुआ। शिक्षक समस्याओं के सम्बन्ध में संवर्गशः सरकार को दिये ज्ञापन की समीक्षा की गई एवं समस्याओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा की। 9 सितम्बर 2014 को प्राथमिक संवर्ग द्वारा, 22 सितम्बर 2014 को माध्यमिक संवर्ग द्वारा एवं 10 अक्टूबर 2014 को उच्च शिक्षा संवर्ग द्वारा सम्पूर्ण देश में ज्ञापन प्रस्तुत किये गये। राज्यों में सम्पन्न विशेष कार्यक्रमों का वृत्त प्राप्त किया गया। 13 एवं 14 सितम्बर 2014 को जयपुर में 'उच्च शिक्षा में नियामक तंत्र' विषय पर सम्पन्न राष्ट्रीय परिसंवाद की समीक्षा की और यह बहुत सफल आयोजन रहा। राज्यों में सम्पन्न 'शाश्वत जीवन मूल्य' विषय पर सम्पन्न सार्वजनिक व्याख्यान एवं कार्यशाला की समीक्षा की गई। साथ ही सातवें वेतन आयोग को दिये ज्ञापन, शिक्षा एवं शिक्षक समस्याओं के सम्बन्ध में समेकित कर दिये गये ज्ञापन पर भी चर्चा की गई। सम्बद्ध संगठनों द्वारा महिला सहभाग के हुए प्रयासों पर चर्चा की गई। महामंत्री प्रतिवेदन पर चर्चा कर उसे स्वीकार किया गया इस बैठक में निम्न 2 प्रस्ताव पारित किये गये। प्रथम- **'राष्ट्रीय समग्र शिक्षा नीति बने'** तथा द्वितीय- **'बाल अधिकार एवं संरक्षण हेतु सरकार, समाज एवं शिक्षकों द्वारा समन्वित प्रयास किये जाएँ'**। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा संवर्ग की बैठकें सम्पन्न हुई। डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ तथा तुमकुर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शैक्षिक संघ को सम्बद्धता प्रदान की गई।

2. अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की 31 जनवरी एवं 1 फरवरी 2015 को माता वैष्णो देवी आध्यात्मिक विकास केन्द्र, कटरा (जम्मू-कश्मीर) में सम्पन्न हुई जिसमें 17 राज्यों के 73 प्रतिनिधियों ने सहभाग किया। बैठक में महासंघ से सम्बद्ध संगठनों द्वारा नवम्बर 2014 से लेकर अब तक किये गये उल्लेखनीय कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई। महिला सहभाग अभिवृद्धि वर्ष में सम्पन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। अनेक सम्बद्ध संगठनों द्वारा महिला कार्यकर्ताओं द्वारा महिला सम्मेलन आयोजित किये गये, महिला अभ्यास वर्ग आयोजित किये गये, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया एवं स्थानीय कार्यकारिणी में महिलाओं के सहभाग में वृद्धि की गई। शाश्वत जीवन मूल्य जन जागरण अभियान की समीक्षा करते हुए इसको और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। अधिकांश संगठनों द्वारा जिला स्तर तक कार्यशाला सम्पन्न की गई है। कई सम्बद्ध संगठनों द्वारा तहसील स्तर पर कार्यशाला आयोजित की गई हैं। बड़ी संख्या में शिक्षकों ने इसमे भाग लिया है। सम्बद्ध संगठनों को शाश्वत जीवन मूल्य अभियान की आगे की योजना की जानकारी दी गई। इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के सम्बन्ध में भी अनेक सुझाव आये। संवर्गशः बैठक कर शिक्षकों की समस्याओं के अविलम्ब निराकरण के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्णय लिया गया। शिक्षक समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में अब तक हुए कार्यों की जानकारी महामंत्री द्वारा सदन के समक्ष रखी गई। 'शिक्षक सम्मान निधि' स्थायी कोष के लिए प्रत्येक सदस्य से एक सौ रुपया एक बार एकत्रित करने का निर्णय लिया गया। शिक्षकों द्वारा एकत्रित इस राशि का उपयोग केवल शिक्षक सम्मान कार्य के लिए ही होगा। महासंघ की वार्षिक कार्य योजना को भी अन्तिम रूप दिया गया।

3. अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक महाश्य चुन्नीलाल सरस्वती बाल मंदिर, हरिनगर, दिल्ली में 14 जून को सम्पन्न हुई। बैठक में महासंघ से संबद्ध संगठनों ने अपने द्वारा सम्पन्न किये गये विशेष कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में वर्ष 2014-15 के अंकेक्षित आय-व्यय का हिसाब मय अंकेक्षक रिपोर्ट के अनुमोदित किये गये। 'शाश्वत जीवन मूल्य' जनजागरण अभियान के द्वितीय चरण में ब्लॉक/ तहसील स्तर तक शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया जिनमें उस क्षेत्र के सभी विद्यालयों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो। प्रथम

शिक्षक सम्मान का आयोजन नागपुर में सम्पन्न होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। शिक्षक समस्याओं के समाधान के संबंध में 8 मई 2015 को मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार के साथ 19 सूत्रीय ज्ञापन पर हुई चर्चा की जानकारी महामंत्री द्वारा दी गई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माननीय अध्यक्ष के साथ 8 मई, 2015 को हुई भेंट की जानकारी भी प्रदान की गई। छठे राष्ट्रीय अधिवेशन की योजना पर विचार कर अपेक्षित सदस्य ही सहभाग कर सकेंगे ऐसा निर्णय हुआ। अधिवेशन में शिक्षक सम्मान, शिक्षक समस्याओं पर विचार शिक्षा के स्वरूप पर विचार के साथ-साथ शाश्वत जीवन मूल्य, एकात्ममानव दर्शन, डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं शिक्षा आदि विषयों पर वैचारिक सत्र आयोजित करने के सुझाव प्राप्त हुए।

4. अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की कार्यकारिणी बैठक 8 अक्टूबर 2015 को नागपुर (महाराष्ट्र) में सम्पन्न हुई। महामंत्री प्रतिवेदन को अन्तिम रूप दिया गया। साधारण सभा के समक्ष प्रस्तुत किये जाने वाले 3 प्रस्तावों को अन्तिम रूप दिया गया। देश में सम्पन्न हुए गुरुवन्दन कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गई एवं उनकी समीक्षा की गई। शिक्षा नीति पर सम्पन्न हुए कार्यक्रमों एवं शिक्षा नीति के सम्बन्ध को शासन को दिये गये ज्ञापनों की जानकारी प्राप्त की गई। शिक्षक समस्याओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। महासंघ के त्रैवार्षिक छठे राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों का जायजा लिया गया तथा सभी कार्यकारिणी सदस्यों को अधिवेशन में व्यवस्था बनाये रखने के लिए आतिथ्य संगठन को सभी प्रकार का सहयोग प्रदान करने के लिए कहा गया।

**प्राथमिक संवर्ग : राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक**

30 जनवरी 2015 को प्राथमिक संवर्ग की बैठक माता वैष्णो देवी, आध्यात्मिक विकास केन्द्र, कटरा (जम्मू-कश्मीर) में संवर्ग के अध्यक्ष श्री जगदीश सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उपस्थित प्रतिनिधियों ने अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा की एवं निर्णय लिया कि प्राथमिक संवर्ग के शिक्षकों की भूमिका का निर्धारण करने के लिए एक समिति का निर्माण किया जाये। प्राथमिक संवर्ग के शिक्षकों की समस्याओं पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा इनके निराकरण के लिए अविलम्ब आवश्यक कार्यवाही करने का महासंघ को आग्रह किया गया। प्राथमिक संवर्ग की विस्तार योजना पर विचार कर इसे अभियान के रूप में चलाने पर सहमति बनी। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत किये जाने वाले संशोधनों पर विचार किया गया एवं इसके सम्बन्ध में सरकार के समक्ष सुझाव प्रस्तुत करने पर विचार किया गया। बैठक का संचालन संवर्ग के सचिव श्री हिम्मत सिंह जैन ने किया।

**पदाधिकारी प्रवास**

संगठन की योजना से राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रान्तों में सघन प्रवास किया। संबद्ध संगठनों के प्रान्तीय अधिवेशन, अभ्यास वर्ग, कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रमों, गुरु वन्दन के कार्यक्रमों, प्रान्तीय बैठकों, सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों, आन्दोलनात्मक कार्यक्रमों आदि में महासंघ के अध्यक्ष, महामंत्री, संगठन मंत्री, सह संगठन मंत्री, अतिरिक्त महामंत्री, कोषाध्यक्ष, क्षेत्र प्रमुख, संवर्गों के उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा के प्रभारी आदि पदाधिकारियों ने भाग लिया।

**सामाजिक सरोकार एवं सामाजिक समरसता**

सम्बद्ध संगठनों द्वारा समाज से जुड़ने के अनेक कार्यक्रम इस वर्ष हाथ में लिये। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में मेधावी छात्रों को सम्मानित करने, विभिन्न राज्यों में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान, गुजरात में विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर, जल संरक्षण, राजस्थान एवं केरल में समरसता दिवस कार्यक्रम, कई राज्यों में रक्तदान शिविर, पौधारोपण कार्यक्रम जैसे अनेक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग**

कार्यकर्ताओं की गुणवत्ता, कार्य शैली, कार्य व्यवहार एवं ध्येय स्मरण हेतु दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश,

कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, केरल आदि प्रान्तों में विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण वर्ग एवं प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्गों का आयोजन किया गया। इनमें महासंघ के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

### मीडिया की राष्ट्रीय कार्यशाला

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की शिक्षक सदन, सूरजमल बिहार, दिल्ली में 3 व 4 मई, 2015 को दो दिवसीय मीडिया की राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न हुई जिसका उद्घाटन केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा किया गया, शिक्षकों ने कार्यशाला में मीडिया प्रबंधन के गुर सीखे। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, सोशल मीडिया आदि के सम्बन्ध में विभिन्न सत्रों में ख्यातिनाम विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

## संगठन के स्थायी कार्यक्रम

### कर्त्तव्य बोध दिवस

12 जनवरी से 23 जनवरी (स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती) के मध्य कर्तव्य बोध दिवस के कार्यक्रम महासंघ के सभी सम्बद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न किये गये। पिछले वर्षों में इसका व्यापक विस्तार हुआ है। इस वर्ष महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर तक की इकाईयों द्वारा भी कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। इन कार्यक्रमों में शिक्षकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में शिक्षा अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। स्थान-स्थान पर इन कार्यक्रमों की प्रशंसा की जा रही है।

### वर्ष प्रतिपदा

वर्ष प्रतिपदा पर प्रतिवर्ष की भांति शुभेच्छा के कई प्रकार के कार्यक्रम महासंघ के कार्यकर्ताओं एवं सम्बद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न किये गये। अनेक स्थानों पर नव वर्ष के अवसर पर संगोष्ठियाँ आयोजित की गयी।

### गुरुवन्दन कार्यक्रम

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर महासंघ की सम्बद्ध इकाईयों द्वारा खंड/ तहसील एवं महाविद्यालय स्तर तक की इकाईयों द्वारा गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। महर्षि वेद व्यास के प्रेरक जीवन के आलोक में भारतीय शिक्षक परम्पराओं का परिचय कराने के सन्दर्भ में 21 राज्यों में लगभग 680 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए जिनमें पचास हजार से अधिक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने सहभाग किया। समाज के श्रेष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन इन कार्यक्रमों में प्राप्त हुआ। कई सम्बद्ध संगठनों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सार्वजनिक कार्यक्रम सम्पन्न किये गये जिनमें बड़ी संख्या में शिक्षकों के अलावा समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने सहभाग किया।

### शिक्षक समस्याओं के समाधान

महासंघ से संबद्ध राज्य संगठनों एवं विश्वविद्यालय संगठनों ने वेतनमान, पदनाम, छठे वेतनमान की विसंगतियों को दूर करने, सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने, नियमित नियुक्ति, शिक्षा आयोग का गठन करने, प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने, शिक्षा पर किये जाने वाले व्यय में वृद्धि करने, सभी शिक्षकों को न्यूनतम वेतनमान अवश्य प्रदान करने आदि की मांगों को लेकर शासन को ज्ञापन दिये एवं विरोध प्रदर्शन, धरने, सामूहिक अवकाश आदि कार्यक्रम सम्पन्न किये। शिक्षक समस्याओं के सम्बन्ध में महासंघ द्वारा सातवें वेतन आयोग को एक व्यापक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार के ज्ञापन सम्बद्ध संगठनों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं द्वारा भी दिये गये। शिक्षक समस्याओं के सम्बन्ध में एक समेकित ज्ञापन केन्द्रीय सरकार को 18 अक्टूबर 2014 को सौंपा गया है।

महासंघ के 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 8 मई 2015 को दिल्ली में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति इरानी

से महासंघ के द्वारा प्रस्तुत किये गये ज्ञापन पर चर्चा की। चर्चा बहुत सकारात्मक रही, जिसमें माननीय मंत्री द्वारा नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के प्रावधानों को सुसंगत बनाने, सम्पूर्ण देश के शिक्षकों के पदों का नामकरण एक समान करने, रिक्त पदों पर तुरन्त भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करने, पी.एच.डी. 2009 के नियमों की कठिनाईयों को दूर करने, सीनियर को जूनियर से कम वेतन प्राप्त होने की विसंगतियों को दूर करने के सम्बन्ध में सहमति जताई। अन्य विषयों पर सहानुभूतिपूर्ण विचार करने के लिए आश्वस्त किया।

महासंघ का प्रतिनिधिमंडल 8 मई 2014 को दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश जी से भी मिला। आपने पी.एच.डी. नियमों को पूर्वव्यापी समय से लागू न किये जाने, छठे वेतनमान के क्रियान्वयन से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को दूर करने के लिए आश्वस्त किया। आपने यू.जी.सी. से सम्बन्धित सभी विषयों पर चर्चा कर उचित हल निकालने के प्रयास करने का आश्वासन दिया।

**शैक्षिक मंथन मासिक**

शैक्षिक मंथन (मासिक) पत्रिका नियमित रूप से प्रकाशित हो रही है। अक्टूबर 2014 अंक 'स्वदेशी शिक्षा' विषय पर, दिसम्बर 2014 का अंक शिक्षा में पाठ्यपुस्तकों की भूमिका विषय पर, जनवरी 2015 का अंक 'कैसी हो बढ़ते भारत की शिक्षा नीति' विषय पर, फरवरी 2015 'कैसे हो भारत अग्रणी वैज्ञानिक देश' विषय पर, मार्च 2015 का अंक 'कैसे सार्थक हो शिक्षा का वित्तीय पोषण', मई 2015 का अंक 'कैसी हो माध्यमिक शिक्षा', जून 2015 का 'योग', जुलाई का अंक 'शिक्षा के अधिकार', सितम्बर का अंक 'कौशल विकास' तथा अक्टूबर का अंक 'एकात्ममानव दर्शन' विषय पर केन्द्रित रहा। शैक्षिक मंथन में उपलब्ध सामग्री की उपयोगिता, साज-सज्जा एवं कल्पना की सभी ओर से प्रशंसा प्राप्त हुई है।

शैक्षिक मंथन संस्थान द्वारा आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती पर 'असर रिपोर्ट' पर संगोष्ठी, 'भारतीय शिक्षा के प्रतिमान विषय पर पुनरुत्थान विद्यापीठ कर्णावती (गुजरात) की निदेशिका ताई इन्दुमती काटदरे का व्याख्यान तथा 'राजस्थान के वर्तमान पाठ्यक्रम' (स्कूली शिक्षा) पर परिचर्चा में महासंघ के महामंत्री प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल का सम्बोधन रहा। 'कैसी हो बढ़ते भारत की शिक्षा नीति' विशेषांक का विमोचन समारोह 7 जनवरी 2015 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा राज्यमंत्री, राजस्थान श्री वासुदेव देवनानी एवं श्री हनुमान सिंह राठौड़, क्षेत्रीय कार्यवाह रा.स्व.संघ का मार्गदर्शन मिला।

**शिक्षा समूह बैठक**

महासंघ के प्रतिनिधियों ने 15 अप्रेल 2015 को एवं 26 27 जुलाई 2015 को दिल्ली में सम्पन्न शिक्षा समूह बैठक में भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर महासंघ का दृष्टिकोण रखा। विद्यालय शिक्षा की वर्तमान स्थिति एवं शाश्वत जीवन मूल्य अभियान पर महासंघ द्वारा विशेष प्रस्तुतीकरण दिया गया।

**महिला समन्वय**

अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण रखने वाले संगठनों की महिला कार्यकर्ताओं का प्रबोधन हेतु सम्पन्न होने वाली महिला समन्वय बैठकों में शैक्षिक महासंघ से सम्बद्ध संगठनों की महिला कार्यकर्ता ऐसी होने वाली बैठकों में भाग लेती हैं। इस वर्ष 12 व 13 सितम्बर, 2015 को अहमदाबाद (गुजरात) में सम्पन्न राष्ट्रीय कार्यशाला एवं 14 सितम्बर 2015 को समन्वय बैठक में 23 महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

**शिक्षाविदों का अखिल भारतीय डेटा बैंक**

शिक्षाविदों/ विषय विशेषज्ञों के डेटा बैंक को अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से गत एक वर्ष से देश भर के प्रमुख शिक्षाविद्/ विषय विशेषज्ञ अपना प्रोफाइल सीधे ए.बी.आर.एस.एम. की बेवसाइट abrsm.in पर जाकर अपलोड कर रहे हैं। इस डेटा बैंक का उपयोग आवश्यकतानुसार किया जा रहा है।

**नवीन शिक्षा नीति**

महासंघ के राज्यस्तरीय संगठनों एवं विश्वविद्यालय स्तरीय संगठनों द्वारा शिक्षा नीति पर संगोष्ठियों एवं परिचर्चाओं का आयोजन किया गया तथा उनसे प्राप्त निष्कर्षों को शासन को प्रस्तुत किया गया। महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग, माध्यमिक शिक्षा संवर्ग, प्राथमिक शिक्षा एवं महिला संवर्ग द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्री को अलग-अलग दृष्टिपत्र सौंपे गये। इन सभी विचारों को सुसंगत बनाते हुए महासंघ के समृग्र दृष्टिकोण को मानव संसाधन विकास मंत्री महोदया के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

**शाश्वत जीवन मूल्य - जन जागरण अभियान**

भारतीय जनमानस की पहचान जिन शाश्वत जीवन मूल्यों से थी, धीरे-धीरे इनका क्षरण हुआ है और हमारी श्रेष्ठ परम्पराएं लुप्त हुई हैं। भ्रष्टाचार का संकट, राष्ट्रीयता के क्षरण, सामाजिक चेतना के अभाव एवं सांस्कृतिक एवं चारित्रिक संकटों का सामना करने के लिए शाश्वत जीवन मूल्य विषय को आधार बनाकर सम्पूर्ण देश में भारतीय जीवन मूल्यों की श्रेष्ठ परम्परा को सुदृढ़ करने के ध्येय से इसे जन जागरण अभियान के रूप में इस शैक्षिक सत्र से चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से गाँव-गाँव एवं विद्यालय-विद्यालय तक पहुँचने का प्रयास है। इस वर्ष जिला स्तर तक पहुँचने एवं आगामी वर्ष में तहसील/ खंड/ गाँवों एवं विद्यालयों में पहुँचा जायेगा। कुछ साहित्य निर्माण हुआ है, बौद्धिक टोलियों का प्रशिक्षण हो रहा है एवं सम्पूर्ण देश में इसका सुदृढ नियोजन किया गया है।

योजनानुसार राज्यों की राजधानियों एवं अनेक अन्य महत्वपूर्ण केन्द्रों पर इस अभियान को व्यापकता देने के लिए सार्वजनिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षकों, छात्रों अभिभावकों एवं गणमान्य जनों ने भाग लिया। राज्य स्तर, संभाग स्तर एवं जिला स्तर पर शिक्षकों के लिए कार्यशालाएं सम्पन्न हुई। अनेक स्थानों पर विशेष व्याख्यानमाला भी आयोजित हुई। कुछ राज्यों में खण्ड/ तहसील स्तर पर शिक्षकों के लिए कार्यशालाएँ सम्पन्न हुई है। अनेक शिक्षण संस्थाओं एवं संगठनों द्वारा ऐसे कार्यक्रमों को अपने शिक्षकों एवं छात्रों के लिए कराने में रूचि दिखाई है।

**महिला सहभाग अभिवृद्धि वर्ष**

सम्पन्न हुए शैक्षिक सत्र को महासंघ द्वारा महिला सहभाग अभिवृद्धि वर्ष के रूप में स्वीकार कर महिलाओं की संगठनों में अधिक सहभागिता सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक स्तर पर उन्हें दायित्व देने, उन्हें स्वतन्त्र रूप से संगठन का कार्य करने, प्रत्येक प्रकार के निर्णय में उन्हें सहभागी बनाने, राज्य स्तर एवं संभाग स्तर पर उनके सम्मेलन, अभ्यास वर्ग आयोजित करने के साथ-साथ महिला संवर्ग के कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे देश में प्रवास करने की योजना को मूर्त रूप दिया गया। अनेक सम्बद्ध संगठनों की महिला कार्यकर्ताओं द्वारा महिला सम्मेलन आयोजित किये गये जिनमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने सहभाग किया।

**सम सामयिक विषयों पर अपना पक्ष रखना**

समय समय पर समसामयिक विषयों पर महासंघ का मत सरकार, शासन एवं समाज के समक्ष तुरन्त रखा जाये इसकी व्यवस्था बनाने के सम्बन्ध में पहल की गई है। राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान, विदेशी विश्वविद्यालयों का देश में प्रवेश, बिना परीक्षा अगली कक्षा में प्रमोशन की नीति, सी.सी.ई. नियामक आयोग की स्थापना, नवीन शिक्षा नीति आदि विषयों पर महासंघ का सुविचारित मत सरकार एवं शासन के समक्ष रखा गया है।

**शिक्षक सम्मान**

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिक संवर्ग, माध्यमिक संवर्ग एवं उच्च शिक्षा संवर्ग में अलग-अलग, शिक्षा क्षेत्र में असाधारण योगदान देने वाले शिक्षकों का प्रतिवर्ष सम्मान करने का निर्णय लिया है। प्रथम शिक्षक सम्मान कार्यक्रम विक्रम संवत् 2072 (सन् 2015) नागपुर (महाराष्ट्र) में सम्पन्न हो रहा है। असाधारण योगदान करने वाले अद्‌भुत प्रतिभा के धनी शिक्षकों की खोज कर उनके नाम मय सम्पूर्ण जानकारी के दस्तावेजों सहित भेजने के लिए सभी सम्बद्ध संगठनों को आग्रह किया

गया था। इस सम्मान का नाम **शिक्षा भूषण** रखा गया है और सम्मान की राशि प्रत्येक की न्यूनतम एक लाख रुपये रखी गई है। 'शिक्षक सम्मान निधि' के लिए देशभर के प्रत्येक सदस्य से 100 रु. सहयोग लेने का निर्णय किया गया है।

**सम्बद्ध संगठनों की उल्लेखनीय गतिविधियाँ**

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बिहार** द्वारा वैशाली जिले में सम्पन्न महिला सम्मेलन में 1000 से अधिक शिक्षिकाओं ने भाग लिया। कर्तव्य बोध के एक कार्यक्रम में 1200 प्रतिभागी रहे।

**राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ ( राष्ट्रीय )** द्वारा लम्बित शिक्षक समस्याओं को लेकर राजस्थान सरकार एवं महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन दिया। नवसंवत्सर पर कालगणना पर आयोजित संगोष्ठी को उत्तर पश्चिम क्षेत्र कार्यवाह श्री हनुमान सिंह राठौड़ द्वारा सम्बोधित किया गया। 18-19 फरवरी 2015 को बांसवाड़ा में 53 वाँ प्रान्तीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ जिसमें प्रदेश के 1500 से अधिक प्राध्यापक सम्मिलित हुए। 128 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 56 स्थानों पर कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुए और अधिवेशन में **'तेजस्विनावधीतमस्तु'** स्मारिका का प्रकाशन किया गया। 30 नवम्बर 2014 को अलवर में प्रथम प्रान्तीय महिला सम्मेलन सम्पन्न हुआ जिसमें प्रदेश की 300 से अधिक महिलाओं ने सहभाग किया। 10 स्थानों पर विभागीय सम्मेलन सम्पन्न हुए जिनमें नवीन शिक्षा नीति पर विशेष विचार-विमर्श हुआ।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अंडमान एण्ड निकोबार** इकाई ने पोर्ट ब्लेयर में शिक्षा के अधिकार पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

**राजस्थान शिक्षक संघ ( राष्ट्रीय )** के आह्वान पर हजारों शिक्षकों ने 28 अगस्त 2015 को राजधानी जयपुर में एकत्रित होकर सरकार के मनमानीपूर्ण निर्णयों के विरोध में विशाल रेली निकाली जिसमें इक्कीस हजार लोगों ने सहभाग किया। डॉ. बाबासाहब अंबेडकर जयन्ती पर सामाजिक समरसता दिवस कार्यक्रम समारोहपूर्वक मनाया। केन्द्र के समान वेतनमान की मांग को लेकर धरना दिया गया एवं गिरफ्तारी दी गई। एकीकरण एवं समानीकरण के नाम पर शासन की मनमानी के विरोध में उपखण्ड स्तर, जिला स्तर एवं संभाग स्तर पर सद्बुद्धि यज्ञों का आयोजन किया गया। जयपुर में शाश्वत जीवन मूल्यों पर सार्वजनिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रदेश महासमिति अधिवेशन पाली में सम्पन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक सम्मिलित हुए। 7 व 8 जनवरी, 2015 को प्रदेश सम्मेलन सम्पन्न हुआ जिसमें 6000 से अधिक शिक्षक सम्मिलित हुए। 50 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**दिल्ली अध्यापक परिषद** द्वारा शासन से वार्ता कर शिक्षकों की अनेक समस्याओं का समाधान कराया। दिल्ली अध्यापक परिषद से वार्ता कर दिल्ली सरकार ने शिक्षकों के कार्य समय में 2 घन्टों की वृद्धि को वापस लिया। स्वतन्त्र रूप से महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ तथा 6 स्थानों पर गुरु वन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुये। निगम निकाय द्वारा ग्रीष्मावकाश में कमजोर बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा शिविर आयोजित किया। 7 नवम्बर, 2014 को सिविक सेन्स के लिए एक दिवसीय प्रान्तीय सम्मेलन हुआ जिसमें 1200 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गुजरात** द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट, सरस्वती नदी शोध का पावर पाईंट प्रजेंटेशन एवं भारत माता पूजन के कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रदेश स्तर पर अहमदाबाद में शाश्वत जीवन मूल्य एवं एकात्ममानव दर्शन पर व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

**महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, वडोदरा ( गुजरात )** स्वामी विवेकानन्द के विचारों पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 300 शिक्षक-शोधार्थी शामिल हुए जिन्होंने 90 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। बाबा साहब अम्बेडकर आज के परिप्रेक्ष्य में विषय पर आधारित व्याख्यान का आयोजन किया गया। अगस्त 2015 में गुरुवन्दन कार्यक्रम में वडोदरा विभाग के कार्यवाह मा. नितेश भाई भावसारजी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

**मध्यप्रदेश शिक्षक संघ** की समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग को सरकार ने एक समिति का निर्माण किया है और

रिक्त पदों पर नियुक्ति भी दी गई है। 35 जिलों में 43 गुरु वन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए। सम्भागीय सम्मेलन आयोजित किये गये।

**देशीय अध्यापक परिषद ( एन.टी.यू. ) केरल** ने सरकार से मान्यता प्राप्त करने के लिए आंदोलन किया और इसमें सफलता प्राप्त की। 13-14 फरवरी 2015 को राज्य का वार्षिक सम्मेलन त्रिशूर में सम्पन्न हुआ। जिसमें 800 से अधिक संभागी थे। 100 से अधिक शिक्षकों ने लैप्टिस्टो से अलग होकर ए.टी.यू. में सम्मिलित हुए तथा एन.टी.एफ. को सरकार ने QIP समिति में सम्मिलित किया गया है।

**तेलंगाना प्रांत उपाध्याय संघ** के 10 जिलों में कार्य, 5 जिलों में 15 गुरु वन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिलाश: कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग, कर्तव्य बोध दिवस, स्वामी विवेकानन्द जयंती, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती, माँ सरस्वती पूजन जैसे कार्यक्रम सम्पन्न हुए। शाश्वत जीवन मूल्य पर एक विशाल कार्यक्रम हैदराबाद में सम्पन्न हुआ जिसमें शाश्वत मूल्यों पर एक पुस्तक का भी प्रकाशन हुआ।

**आन्ध्र प्रदेश उपाध्याय संघ** द्वारा धरने पर बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। संगठन द्वारा प्रशिक्षित अध्यापकों के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की। 100 स्थानों पर स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, महिला सम्मेलन आयोजित किया एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। शाश्वत जीवन मूल्यों पर एक पुस्तक का प्रकाशन भी हुआ।

**महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद** द्वारा 2 अक्टूबर 2015 को चन्द्रपुर में अनुदान के लिए आन्दोलन किया जिसमें 500 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। 10 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम हुए। शासन के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया।

**महाराष्ट्र में विद्यापीठ शिक्षण मंच एवं अन्य विश्वविद्यालय संगठनों** द्वारा नेट/ स्लेट में छूट, सेवानिवृत्ति आयु में बढ़ोतरी, एरियर का भुगतान आदि की मांग को लेकर मुंबई, पूना, जलगाँव, अमरावती, गौंडवाना, गढ़चिरोली एवं नागपुर में आन्दोलन चलाया। प्राध्यापकों की वेतन समस्या को लेकर 25 अगस्त 2015 को मुम्बई में धरना प्रदर्शन किया गया। गुरुवन्दन के कई कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 3 मई 2015 को प्राध्यापक सम्मेलन नागपुर में सम्पन्न हुआ।

**महाराष्ट्र राज्य मान्य खाजगी प्राथमिक शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर महासंघ** द्वारा स्कूलों की मान्यता रद करने एवं शिक्षकों की सेवा समाप्त करने के विरोध में ज्ञापन दिया एवं धरना दिया। शिक्षक समस्याओं को लेकर शिक्षा मंत्री से भेंट की गई।

**राष्ट्रवादी शिक्षक परिषद ओडिशा द्वारा** कर्तव्य बोध दिवस के 10 से अधिक कार्यक्रम सम्पन्न किये। गुरुवन्दन कार्यक्रम 13 जिलों में सम्पन्न हुए, शिक्षा नीति पर भुवनेश्वर में संगोष्ठी हुई तथा प्रान्तीय कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न हुई।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ झारखण्ड** द्वारा कर्तव्य बोध दिवस पर कई कार्यक्रम सम्पन्न हुए। प्रदेश अधिवेशन 8-9 अगस्त, 2015 को धनवाद में आयोजित हुआ। जिसमें 400 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

**बंगीय नव उन्मेष प्राथमिक शिक्षक संघ** द्वारा जिलों में सम्मेलन एवं कर्तव्य बोध के कार्यक्रम में सम्पन्न हुए।

**बंगीय शिक्षक ओ शिक्षाकर्मी संघ द्वारा** 2 जिलों में जिला स्तरीय सम्मेलन एवं 5 स्थानों पर कर्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तरप्रदेश** द्वारा मंडल स्तर पर सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान किया गया। शिक्षक समस्याओं को लेकर मंडलों में आन्दोलनात्मक कदम उठाये। 'सत्ता एवं व्यवस्था परिवर्तन में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर काशी में संगोष्ठी सम्पन्न हुई। कुछ स्थानों पर महिला सम्मेलन किये गये। 17 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम किये गये।

**राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तराखण्ड** द्वारा गुरु वन्दन एवं शाश्वत जीवन मूल्यों पर कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

**कर्नाटक राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ** बेंगलुरू उत्तर जिला द्वारा 28वां प्रतिभा पुरस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। इस समारोह में 300 मेधावी छात्रों एवं 71 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार बेंगलुरू दक्षिण जिला एवं 7 अन्य स्थानों पर प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न हुए।

**हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ** शिमला इकाई ने अनेक विद्यालयों के चुने हुए मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। शिमला में राष्ट्रीय सचिव श्रीमती प्रियंवदा सक्सैना के प्रवास पर महिला बैठक का आयोजन हुआ। शाश्वत जीवन मूल्य विषय पर सम्पन्न सार्वजनिक व्याख्यान शिमला में 300 से अधिक की उपस्थिति रही तथा धर्मशाला में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न हुई।

**नवीन सम्बद्धता**

डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ तथा तुमकुर विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ को 1 व 2 नवम्बर 2014 को बेलगाम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सम्बद्धता प्रदान की तथा विश्वभारती शैक्षिक संघ शान्ति निकेतन, पश्चिम बंगाल, सरगूजा विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ तथा केरल मेडिकल यूनीवर्सिटी टीचर्स संघ केरल को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में सम्बद्धता प्रदान की गई। सावित्री बाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ को सम्बद्धता प्रदान की गई।

**वार्षिक कार्य योजना**

- छठा राष्ट्रीय अधिवेशन : 9, 10 एवं 11 अक्टूबर 2015, नागपुर (महाराष्ट्र)
- केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक : 19-20 दिसम्बर 2015, जयपुर
- राष्ट्रीय कार्यसमिति : प्राथमिक संवर्ग - फरवरी 2016
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक : फरवरी 2016

देश की वर्तमान परिस्थितियां शिक्षा एवं शिक्षक के लिए अत्यन्त चिन्ताजनक है। ऐसे में महासंघ की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण है। हमें राष्ट्र हित, शिक्षा हित एवं शिक्षक हित में कार्य करते हुए राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत ऐसे प्रतिमान स्थापित करने होंगे जिससे शासन को राष्ट्र हित में नीतियां बनाने एवं उन्हें लागू करने के लिए विवश होना पड़े। हमें कार्य विस्तार को ध्यान देना होगा, वैचारिक अधिष्ठान को व्यापकता प्रदान करनी होगी एवं प्राप्त होने वाले अवसरों का उपयोग करना होगा। यह हम सब की निरन्तर सक्रियता, ध्येय स्पष्टता, परस्पर विश्वास, टीम भावना एवं कार्यक्रमों के लगातार आयोजन करने से ही सम्भव होगा।

भवदीय

प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल

महामंत्री